

भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण मण्डल, राजस्थान

हिताधिकारी के रूप में पंजीयन हेतु आवेदन सह स्वीकृति पत्र
प्ररूप 5 (नियम44 (2) देखिये)

आवेदक
का रंगीन
फोटो

- आवेदक का नाम
- पिता/पति का नाममोबाईल नं०-.....
- (एक) वर्तमान पता (i)
- (ii) मोहल्ला/गावं
- (iii) ग्राम पंचायत/वार्ड सं० (शहरी क्षेत्र)
- (iv) ब्लॉक/शहर :
- (दो) स्थाई पता
- श्रेणी: अ.जा./अ.ज.जा./ओ.बी.सी./अल्प संख्यक/सामान्य जो लागू न हो उसे काट दें
- आयु (वर्षों में) 6. जन्म तिथि/...../..... 7. शैक्षणिक योग्यता
- वैवाहिक स्थिति: विवाहित/अविवाहित/विधुर/विधवा/ (जो लागू न हो उसे काट दें)
- परिवार का विवरण :- 10. अन्य विवरण यदि कोई हो तो

क्र० सं०	परिवार के सदस्यों का नाम	आवेदक से संबंध	आयु	शिक्षा	बैंक खाता बैंक का नाम													
1					आधार कार्ड													
2					भामाशाह													
3					ई.एस.आई/ई.पी. एफ.संख्या													
4																		
5					बी.पी.एल./स्टेट बी.पी.एल कार्ड													
6																		

11. वर्तमान नियोजकों सहित उन नियोजकों के नाम तथा पते जिनके लिए पिछले 2 माह में कार्य किया

क्र०सं०	कार्यस्थल का विवरण	क्या काम किया	कितने दिन काम किया (कार्य अवधि)	नियोजका का नाम पता	वर्तमान नियोजक के हस्ताक्षर व मोबाईल नम्बर
1					

धोषणा

12. मैं सत्यनिष्ठा/ईश्वर की शपथ लेकर कथन करता हूँ कि मेरे द्वारा दिया गया उपरोक्त विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान व जानकारी के अनुसार सही है। सही नहीं पाये जाने की स्थिति में मुझे दी गयी राशि मण्डल को वापिस करने का वचन देता हूँ। यह भी धोषणा करता हूँ कि मैंने पूर्व में अन्य किसी जिले या स्थान पर हिताधिकारी के रूप में पंजीयन नहीं कराया है।

दिनांक/...../.....

आवेदक के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

13. प्रमाणित किया जाता है कि पुत्र/पुत्री/पति निवासी निर्माण श्रमिक के रूप में नियोजक/व्यक्ति (नाम व पता) के निर्माण कार्य पर पिछले एक वर्ष की अवधि में दिन तक कार्य करता रहा/रही है तथा वह निर्माण श्रमिक है।

नियोजक/ठेकेदार के हस्ताक्षर निर्माण श्रमिकों की यूनियन के अध्यक्ष/महामंत्री के पंचायत के कार्यकारी अधिकारी/ तथा नाम पता टेलिफोन नं० हस्ताक्षर व यूनियन का नाम व पता व पंजीयन सं० क्षेत्र के श्रम निरीक्षक के हस्ताक्षर नाम व पता

पंजीयन आदेश

अधोहस्ताक्षर द्वारा आवेदन के पत्र में वर्णित जानकारी के जाँच उपरान्त संतुष्ट होने पर पंजीयन की स्वीकृति दी जाती है।
दिनांक/...../.....

हस्ताक्षर श्रम निरीक्षक एवं प्राधिकृत अधिकारी
नाम निरीक्षक/प्राधिकृत अधिकारी

(नियम 44(4)के अन्तर्गत नाम निर्देशन) (प्ररूप-छः)

में अपनी मृत्यु की दशा में मण्डल की ओर से मुझे देय समस्त बकाया राशि प्राप्त करने के लिये निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तिगत अधिकारवान वारिस के रूप में नाम निर्देशित करता/करती हूँ:-

क्रम संख्या	नामिति/नामितियों का नाम व पता	हिताधिकारी से संबंध	आयु	नामिति को दी जाने वाली राशि का प्रतीशत

आवेदक के हस्ताक्षर/अंगूठे का

निशान

आवेदन पत्र भरने में संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश

1. आवेदक के कॉलम एक व दो में क्रम से आवेदक तथा उसके पिता/पति का पुरा नाम अंकित किया जाना है।
2. कॉलम तीन(एक) में आवेदन का वह पता अंकित किया जाना है जिस पर वह वर्तमान में निवास कर रहा है पता पूर्ण लिखा जावे इसी प्रकार कॉलम तीन (दो) में आवेदक के स्थाई निवास का पूर्ण पता अंकित किया जाना है।
3. कॉलम चार में आवेदन अ.जा./अ.ज.जा आदि जिस वर्ग का हो इसके अतिरिक्त अन्य वर्गों का काट दिया जाना है। जिसमें आवेदक का वर्ग स्पष्ट हो सकें।
4. कॉलम पांच में आवेदन की तिथि आवेदक द्वारा पूर्ण कर ली गयी आयु के वर्ष तथा कॉलम छः में उसकी जन्म तिथि वर्ष/माह/दिन में अंकित की जानी है। आवेदक की आयु के प्रमाण के लिए स्कूल का प्रमाण पत्र अथवा मृत्यु रजिस्ट्रार का प्रमाण पत्र अथवा सक्षम चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र सलंगन किया जाना आवश्यक है।
5. कॉलम संख्या सात में आवेदक कि शैक्षणिक योग्यता (जो कक्षा उत्तीर्ण का हो) अंकित की जानी है।
6. कॉलम संख्या आठ में आवेदक कि वैवाहिक स्थिति में जो लागू नहीं हो, उसे काट दिया जाना है।
7. कॉलम संख्या ग्यारह में आवेदक वर्तमान में जिस नियोजक के पास निर्माण कार्य कर रहा है। इसके सहित पिछले 12 माह में किये गये निर्माण कार्यों के नियोजकों का विवरण अंकित किया जाना है वर्तमान नियोजक नाम ,पता तथा दूरभाष संख्या आवश्यक रूप से अंकित की जावे। जिससे आवश्यक होने पर पुष्टि कि जा सकें।
8. कॉलम नं0 नौ आवेदक के परिवार के विवरण अंकित किया जाना है।
9. कॉलम संख्या दस में यदि आवेदन का बैंक खाता संख्या एवं बैंक शाखा का नाम तथा आधार नम्बर,भामाशाह कार्ड, ई.एस.आई/ई.पी.एफ.खाता संख्या और बी.पी.एल कर विवरण अंकित किया जाना है।
10. कॉलम 12 में आवेदक द्वारा दिये गये विवरण कि सत्यता की धोषणा की जाने है। जिससे उसके हस्ताक्षर/अंगूठे की निशान अंकित की हो।
11. कॉलम 13 में आवेदक के निर्माण कर्मकार होने का प्रमाण पत्र है जिसे विवरण अंकित कर कर्मकार के नियोजक ठेकेदार द्वारा अथवा श्रम निरक्षक द्वारा (उपरोक्त चारों में से कोई एक) हस्ताक्षर से जारी किया जावेगा यह प्रमाण पत्र आवेदक के पंजीयन हेतु आवश्यक है।
12. उपरोक्त वर्णित प्ररूप-छः में आवेदक द्वारा नामित/नामितियों का विवरण अंकित कर पुनः हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान अंकित किया जाना है।

विशेष:- पूर्णरूप से भरे आवेदन के साथ आयु को प्रमाण पत्र तथा निर्माण कर्मकार होने का प्रमाण पत्र के अतिरिक्त तीन पासपोर्ट साईज की रंगीन फोटो (एक आवेदन पत्र पर निर्धारित स्थान पर चिपकाई जानी है तथा दोनो फोटो सलंगन की जानी है।) सलंगन किया जाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त निर्धारित पंजीयन शूलक 25 रूपयें तथा अंशदान राशि पांच रूपयें मासिक/60 रूपयें वार्षिक भी जमा कराना होगा ।

धोषणा-पत्र (अ)
(नियोजक / सम्पत्ति मालिक द्वारा)

1. मैं (नाम) पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री
.....उम्र वर्ष निवासी
.....(ग्राम पंचायत/वार्ड /पंचायत समिति/नगर पालिका) जिला का रहने
वाला हूँ। मेरे आधार नम्बर/भामाशाह नम्बर एवं मोबाईल नम्बर
..... हैं।
2. यह कि, मुझ धोषणाकर्ता ने वार्ड नम्बर गाम ग्राम पंचायत
पंचायत समिति/नगर पालिका वार्ड न0 तहसील जिला में
स्वयं के मकान/अन्य निर्माण कार्य करवाया है। धोषणाकर्ता के पास उक्त सम्पत्ति का मालिका हक है।
3. मेरे द्वारा स्थानीय प्रशासन (पंचायत/शहरी निकाय) से अनुमति लिये जाने के उपरान्त उक्त निर्माण करवाया
गया है। मेरे द्वारा कुल वर्ग फुट निमाण का कार्य दिनांकसे दिनांक
के मध्य कराया गया जिसके निमाण /नवीनीकरण में कुल अनुमानित रूपयें की लागत आई
है। इस पर मेरे द्वारा निर्माण सेस का भुगतान किया गया /देय नहीं है।
4. यह कि मुझ धोषणाकर्ता के मकान पर श्री/
श्रीमतिपत्नी/ पुत्र निवासी
..... ने दिनांक से दिनांक तक कुल..... बेलदारी/मिस्त्री
का कार्य किया है।
5. यह है कि उपरोक्त श्रमिकों को बेलदारी/मिस्त्री का कार्य मेरे अधीन करने पर रूपयें प्रतिदिन के
हिसाब से कार्य किया है। एवं उक्त श्रमिक का मेरे द्वारा पूर्ण भुगतान कर दिया गया है। वर्तमान में उक्त
श्रमिक का कोई भुगतान बकाया नहीं है।
6. यह कि मेरे द्वारा दिया गया उल्लेखित समस्त विवरण/ निर्माण श्रमिक प्रमाणीकरण पूर्णतः सही है। प्रमाण
-पत्र का विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच/मौका निरीक्षण के दौरान फर्जी/असत्य पाये जाने की स्थिति में
भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 एवं अन्य प्रावधानों के अन्तर्गत मेरे विरुद्ध की गई कार्यवाही की मैं पूर्ण
रूप से व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेता हूँ एवं कथित प्रमाण -पत्र के आधार पर प्रमाणित किये गये श्रमिक द्वारा
प्राप्त की गई हितलाभ की राशि की वसूली श्रमिकसे कराने हेतु मैं बाध्य रहूंगा।

हस्ताक्षर.....
(नियोजक/सम्पत्ति मालिक)

अंगुठे का निशान
(नियोजक/सम्पत्ति मालिक)

दिनांक/...../.....

स्थान:

प्रार्थी के हस्ताक्षर